श्याम बड़े तुम सीधे साधे | By Ushann Das

श्याम बड़े तुम सीधे साधे क्यूँ दिखते हो
जब देखो तुम चुपचाप यूँ ही बैठे रहते हो
लेते इत्तर की खुशबू फूलों के हो शौकीन
पर बने न काम किसी दिन भक्तों का ऐसा नहीं कोई दिन
नामुमकिन को बैठे बैठे करते कैसे हो मुमकिन
ओहो हो, ओहो हो, ओहो हो, ओहो हो,

पलक को तुम झपकाते नहीं
क्या तुमने नींद कभी आती नहीं
रखते हो तुम सबपे ध्यान
पर बैठे जैसे हो अनजान
लबो पे रहती है मुस्कान जब भक्त करें तेरा गुणगान
हट जाये दुनिया से मोह तेरी महिमा समझ गया जो
श्याम बड़े तुम सीधे साधे क्यों दिखते हो
अब समझा तुम चुपचाप क्यूँ बैठे रहते हो
लेते इत्तर की खुशबू फूलों के हो शौकीन
पर बने न काम किसी दिन भक्तों का ऐसा नहीं कोई दिन
नामुमकिन को बैठे बैठे करते कैसे हो मुमकिन
ओहो हो होहो , ओहो हो होहो, ओहो हो होहो

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%ac%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%87-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae-%e0%a4%b8%e0%a5%80%e0%a4%a7%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%a7%e0%a5%87-by-ushann-das/